M.A. (Hindi) CBCS Pattern Semester-III

MAHNCBCS301 - Prachin Evam Madhyakalin Kavya

P. Pages : 4 **GUG/W/23/10421**

Time : Three Hours * 5 6 6 0 * Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित अवतरणो में से **किसी तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या किजिए। **30**

क) कुध्द फुरत अति जुध्द-जुरत नहिं रुध्द मुरत भट।
खग बजत अरि बग्ग तजत तनु सग्ग सजत ठट।
फक्कि फिरत मद धुक्कि भिरत कटि कुक्कि गिरत कनि।
रंग-रंग रकत हर संग छकत चतुरंग कथन भनि।
इमि ठानि घोर घमसान घन, भूषन तेज कियौ अटल।

ख) कौन भाँति रहि है बिरदु, अब देखिवी, मुरारि ।
बीधे मोसो आइ कै, गीधे गीधहिं तारि॥
कब कौ देखु दीन रह, होत न स्याम सहाइ।
तुमहू लागी जगत-गुरु, जग-नाइक, जग बाइ॥
प्रगट भये व्दिजराज-कुल-सुबह बसे ब्रज आइ।
मेरो हरो कलेस सब, केसव राई॥

ग) भक्ति का मारग झीना रे,
नहिं अचाह नहिं चाहना, चरननं लौ लीना रे।
साधक के रस-धार में, रहे निस-दिन भोला रे।
राग में खुन ऐसे बसे, जैसे जल मीना रे।
साँई सेवन में देत सिर, कुछ बिलम न किनारे।
कहें कबीर मत भक्ति का, परगट कर दीना रे॥

घ) ऊधो! जोग बिसरि जानि जाहू।
बाँधहु गाँठि कहूँ जनि छुटें फिरि पाठे पछिताहु॥
ऐसी वस्तु अनुपम मधुकर मरम न जाने और।
ब्रजबसिन के नहिं काम की, तुम्हारे ही है ठौर॥
जो हरि हित करि पढ़यो सो हम तुमको दीन्ही।
सूरदास नखीर ज्यों विष को करैं वदना किन्ही

च) ऊधो! यह मन और न होय।
पहिले ही चढ़ि रह्यो स्याम रंग छुटत न देख्यो धोय।
कैतव वचन छड़ि हरि हमको सोइ करै जो भूल।
जोग हमें ऐसो लागत है ज्यो तोहि चंपक फूल
अब क्यों मिटत हाथ की रेखा? कहाँ कौन बिधि कीजै
सूर, स्यामसुख आणि दिखाओ जाहि निरखि करि जीजै।

छ) पानी बिच मीन पियासी।
मोहिं सुन सुन आवै होंसि॥
घर में वस्तु नजर नहीं आवत।
बन बन फिरत उदासी॥
आतम ज्ञान बिना जग झूँठा।
क्या मथुरा क्या कासी॥

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** का उत्तर लिखिए। **10**

अ) ऊधौ और गोपिकाओं के संवादो को व्यक्त करते हुए सूरदास वाकपटुता के कवि है। यह सिध्द कीजिए।

अथवा

ब) 'भूषण वीररस के कवि है' इस वाक्य को उनके काव्य के आधार पर सिध्द किजिए।

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्ही पाँच** के उत्तर दस से बारह पंक्तियों में लिखिए। **20**

1) बिहारी के काव्य में नैतिकता के दर्शन होते है। लिखिए।

2) गोपिकाये ऊधौ को क्या संबोधित करती है और क्यों?

3) केशवदास का परिचय दीजिए।

4) रस की खान किसे और क्यो कहा जाता है?

5) गुरुगोविंद सिहंजी साहित्यीक व धार्मिक योगदान सिध्द किजिए।

6) घनानंद द्वारा प्रयुक्त 'सुजान' के विविध अर्थो को उनके काव्य के आधार पर स्पष्ट किजिए।

7) नामदेव का जीवन परीचय लिखिए।

4. निम्नलिखित अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **10**

1) शेक्सपियर का ग्रंथो का नाम लिखिए।

2) नामदेव की भक्ति कौनसी भक्ति मानी जाती है?

3) केशवदास के काव्य में श्रृंगार भावना को स्पष्ट किजिए।

4) कबीरदास के कथनी और करनी के संबंध में विचार स्पष्ट किजिए।

5) बिहारी के काव्य के नायक-नायिका कौन थे?

5. निम्नलिखित निर्देशो के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **10**

1) भूषण के काव्य के नायक थे।
   अ) पृथ्वीराज चौव्हान ब) छत्रपति शिवाजी महाराज
   क) राजा रतनसेन ड) छत्रपति संभाजी महाराज

2) 'भ्रमरगीत सार' में ऊधौ किस भक्ति का प्रतिनिधीत्व करता है?
   अ) सगुण भक्ति ब) नवधा भक्ति
   क) नामस्मरण ड) निर्गुण भक्ति

3) 'भक्ति का मारग झीना रे' कहने वाले कवि है।
   अ) सूरदास ब) कबीरदास
   क) तुलसीदास ड) रहीमदास

4) सुरदास रचित 'भ्रमरगीत' में यह अनूभूती दिखाई देती है?
   अ) संयोगानुभूति ब) प्रेमभाव
   क) वियोगानूभूति ड) दया भाव

5) युध्द का, सेना का, सैनिको का सजीव वर्णन करने वाले श्रृंगार काल के यह कवि माने जाते है?
   अ) रहीमदास ब) बिहारीदास
   ब) भूषण ड) इनमें से कोई नहीं

6) 'युग चेतना' के कवि यह है------
   अ) सूरदास ब) तुलसीदास
   क) मीराबाई ड) कबिरदास

7) ‘गागर में सागर भरने वाले कवि यह है।

अ) बिहारी ब) रसखान

क) केशवदास ड) रहीम

8) गोपिकाये कृष्ण का इंतजार कहाँ कर रही है?

अ) अवध में ब) मथुरा में

क) व्दारका में ड) ब्रज में

9) महाराष्ट्र के किस कवि को पंजाब क्षेत्र में भी जाना जाता है।

अ) ज्ञानेश्वर ब) तुकाराम

क) नामदेव ड) एकनाथ

10) किस कवि की भक्ति सख्य भाव की भक्ति मानी जाती है?

अ) तुलसीदास ब) सूरदास

क) कबीरदास ड) नामदेव

****